हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 16 | लखनऊ, 28 मार्च, 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

किसी के लिए फैमिली फर्स्ट, मोदी के लिए नेशनः योगी

लखनऊ(यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चुनावी समर में दो पक्ष स्पष्ट नजर आ रहे हैं। एक के लिए फैमिली फर्स्ट है तो मोदी के नेतृत्व वाले पक्ष के लिए नेशन फर्स्ट है। एक पक्ष अपने कृत्यों से माफिया राज को प्रश्रय देता है तो मोदी का पक्ष कानून के राज को प्रभावी ढंग से लागू करता है। एक पक्ष भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है तो मोदी का पक्ष जीरो टालरेंस का पक्षधर है। एक पक्ष तुष्टिकरण, जाति-मत-मजहब के आधार पर समाज को बांटना चाहता है, दूसरे पक्ष में मोदी के नाम पर सबका साथ, सबका विकास के माध्यम से गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव जरूरतमंदों को देने का भाव दिखाई देता है। एक तरफफैमिली फर्स्ट की बात करने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ 140 करोड़ लोगों को परिवार मानने वाले मोदी हैं। हमें मोदी के परिवार का हिस्सा बनकर नए भारत का दर्शन करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार से लोकसभा चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली। मथुरा में पहली जनसभा कर प्रबुद्धजनों से संवाद बनाते हुए सांसद व भाजपा उम्मीदवार हेमामालिनी के पक्ष में वोट देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं को गिनाकर मोदी का मतलब बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने श्होली खेले रघुबीराश् भजन सुना है, लेकिन 500 वर्ष में पहली बार अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने धाम में विराजमान होकर होली के साक्षात दर्शन कराए। मथुरा-वृंदावन की गलियां इंतजार कर रही थीं। दुनिया के अंदर मथुरा-वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव में खेली गई होली की चर्चा है। श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती है।सीएम ने कहा कि इस धरती का प्रताप व ताकत है कि 2021 में यमुना मैया के तट पर यहां वैष्णव महाकुंभ का आयोजन हुआ था। वृंदावन बिहारी लाल की असीम कृपा हम पर थी, वैष्णव कुंभ जब तक था तब तक कोरोना का पता नहीं, कुंभ के विसर्जन के उपरांत कोरोना आ गया। यहां का जज्बा नई ताकत व नई ऊर्जा प्रदान करने वाला था। उसी ताकत के बल पर उप्र जैसे बड़े राज्य की आबादी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कोरोना से बचाव करने में हम सफलता प्राप्त कर सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 10 वर्ष में आपने बदलते हुए नए भारत को देखा है। सीमा सुरक्षित हुई तो इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े कार्य भी हुए। हाइवे, रेलवे, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नए संस्थानों का निर्माण व बिना भेदभाव जरूरतमंदों को गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। 2014 के पहले जाति, मत, मजहब को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। 2014 के बाद सिर्फसबका साथ, सबका विकास के मंत्र के अनुरूप बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हर गरीब, व्यापारी, महिला, नौजवान, किसान को लाभ मिल रहा है। सुरक्षा-सब्सिडी सबको दे रहे हैं। तुष्टिकरण नहीं बल्कि मोदी ने हर नागरिक की संतुष्टि को आधार बनाया है। नए भारत में युवा की आजीविका की व्यवस्था, आस्था का सम्मान, पौराणिक विरासत के संरक्षण का कार्य भी हो रहा है। विकास के साथ आम नागरिकों को जोड़ने का कार्य हो रहा है। बेटी-बहन और व्यापारी को सुरक्षा की गारंटी है। किसान को विकास के अभियान के साथ जोड़ने की गारंटी ही मोदी की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बिना भेदभाव 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते हैं। 2014 के पहले पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद, अलगाववाद चरम पर था। जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाज हावी थे। सुरक्षा के जवान चोटिल होते थे। आज जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी समाप्त, धारा-370 समाप्त हो गया। 1952 में कांग्रेस ने यह दंश दिया था, जो देश में उग्रवाद का कारण बना था, लेकिन उसका निदान मोदी ने कर दिया। आज कोई भारत की सीमा में घुसपैठ या आतंकी घटना का साहस नहीं कर सकता। यशस्वी नेतृत्व होने से सर्वांगीण विकास होता है। आज सीमावर्ती क्षेत्रों तक भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचा है।

पीएम मोदी का कोई मुकाबला नहीं कर सकताः अरुण गोविल

मेरठ। दूरदर्शन पर प्रसारित हुए लोकप्रिय धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले और मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने इस शहर के साथ अपने भावनात्मक संबंधों को जाहिर करते हुए बुधवार को कहा कि उनका जन्म मेरठ में हुआ था। उनके जीवन के शुरुआती 17 साल इसी शहर में बीते। गोविल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मैं यहीं (मेरठ में) पैदा हुआ था। मैंने अपना बचपन यहीं बिताया। मेरे जीवन के पहले 17 साल इसी शहर में बीते। मैंने मेरठ में पढ़ाई की। मैं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का छात्र था। उसके बाद मैंने सरकारी इंटर कॉलेज में दाखिला लिया। इस सवाल पर कि अगर वह मेरठ से लोकसभा चुनाव जीत गए तो क्या यहां की जनता को उनके फिर से दर्शन होंगे, गोविल ने कहा कि यह तो समय ही बताएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा, मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा कुछ नहीं किया, जिसके लिए कोई मुझे दोषी ठहरा सके। आज तक मैंने जो भी किया, जो भी करता रहा, वह सेवा का ही एक रूप था। अब यह लोगों की सेवा का ही एक और रूप होगा। वहीं, राम मंदिर से जुड़े एक सवाल के जवाब में गोविल ने कहा कि रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद आज पूरा देश और दुनिया राममय हो गई है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इतना काम किया है कि कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। गोविल मंगलवार शाम को मेरठ पहुंचे और स्थानीय पार्टी नेताओं एवं भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय के पदाधिकारियों से मुलाकात की। गोविल पार्टी पदाधिकारियों के साथ औघड़नाथ मंदिर भी गए, जहां उन्होंने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया।

तीस लाख सरकारी पद भरेगी कांग्रेसः प्रियंका

नयी दिल्ली कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी ने दावा किया है कि यदि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों में सत्ता में आती है तो रिक्त सरकारी नौकरी के 30 लाख पदों को भरा जाएगा और परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए सख्त कानून बनेगा।

प्रियंका गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि कांग्रेस सरकार रोजगार क्रांति के जरिये देश के युवाओं का हाथ मजबूत करेगी। युवा ही देश का भविष्य हैं। वे मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि देश के कुल श्रमबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं। कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में यह 65.7 प्रतिशत यानी लगभग दोगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर सकती। यही भारतीय जनता पार्टी सरकार की सच्चाई है। आज देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना है। खाली पड़े 30 लाख सरकारी पद तत्काल भरे जाएंगे और हर स्नातक और डिप्लोमाधारक को एक लाख रुपये सालाना की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी। पेपर लीक के खिलाफनया सख्त कानून आएगा तथा गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी मिलेगी। इसके अलावा स्टार्ट-अप के लिए 5000 करोड़ का राष्ट्रीय कोष बनाया जाएगा।

सम्पादकीय

वरूण फैक्टर को लेकर भाजपा में असमंजस

देश के प्रथम राजनैतिक परिवार के एक सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरूण गांधी को लेकर इन दिनों कयास और असमंजस का दौर जारी है। दरअसल पीलीभीत लोकसभा का पिछले दो बार से प्रतिनिधित्व करने वाले वरूण का टिकट इस बार भाजपा ने काट दिया है। उनकी मां मेनका गांधी का सुलतानपुर का टिकट बरकरार रखा है जहां की वे पहले से सांसद हैं। पहले मेनका पीलीभीत की नुमाइंदा हुआ करती थीं परन्तु 2009 में उन्होंने वह सीट अपने बेटे को सौंप दी। चार लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज कर गांधी परिवार से अलग हो चुके एक अन्य सदस्य ने अपना तूफानी आगाज किया था। याद हो कि इंदिरा गांधी के एक तरह से तयशुदा वारिस माने जाने वाले दूसरे पुत्र संजय गांधी की आपातकाल के दौरान एक जहाज दुर्घटना में जब मौत हो गयी थी तो बड़े बेटे राजीव पायलट की नौकरी छोड़कर राजनीति में आये थे। पारिवारिक मतभेदों के कारण मेनका अपने पुत्र के साथ अलग रहने लगी थी। पले जनता दल व बाद में वे भाजपा में आ गयीं। विश्वनाथ प्रताप सिंह एवं अटल बिहारी बाजपेयी सरकार में वे मंत्री भी बनीं। उन्होंने कई सीटों पर हार-जीत दोनों का ही स्वाद चखा। नरेन्द्र मोदी की 2014 में बनी सरकार में भी मेनका मंत्री बनीं लेकिन दूसरी बार (2019) में पुनरू निर्वाचित होने के बावजूद उन्हें यह मौका नहीं मिला। इस साल के चुनाव प्रचार में वरूण के उग्र बयानों से उम्मीद थी कि उन्हें या वरूण को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मोदी-2 सरकार में मिल सकती है लेकिन ऐसा न हुआ। इतना ही नहीं, जब वरूण ने पिछले कुछ समय में अपने बयानों को संयमित एवं सर्वस्पर्शी बनाना शुरू किया तो भाजपा नेतृत्व के कान खड़े हो गये। विशेषकर उन्होंने शासकीय सुविधाएं अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों तक पहुंचाने की जरूरत बतलाई। उन्होंने लखीमपुर खीरी में किसानों को एक केन्द्रीय राज्यमंत्री के पुत्र द्वारा कुचले जाने की भी आलोचना की जिसमें करीब आधा दर्जन किसान मारे गये थे। वरूण लेखन भी करते हैं। उन्होंने एक लेख में शासकीय योजनाओं की असफलताओं पर भी लेख लिखा जिसके कारण केन्द्र सरकार की फजीहत हुई थी। इसी से आभास हो गया था कि मां-बेटे पर संकट आ सकता है। ऐसा ही हुआ जब बारम्बार मंत्रिमंडल के विस्तार या उसमें फेरबदल के बावजूद दोनों में से किसी को भी स्थान नहीं मिला। उल्टे, सांगठनिक फेरबदल के अंतर्गत मेनका को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से भी निकाल बाहर किया गया। अंदेशा तो यहां तक था कि दोनों के टिकट कट सकते हैं तथा पीलीभीत व सुलतानपुर सीटों से अन्य प्रत्याशी आजमाये जायेंगे। यह आशंका आधी खरी उतरी। मेनका की सीट तो परिवार ने बचा ली लेकिन वरूण की जगह पर दूसरे को उतारा गया। सियासी पेंच यहीं से शुरू होता है। कयासों एवं अनुमानों की गुंजाइशें भी यहीं से खुलती हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पहले ही कह दिया कि अगर वरूण अपनी सीट से लड़ते हैं, या किसी भी सीट से तो सपा उन्हें समर्थन देगी। अगर उनकी चाही किसी सीट पर उम्मीदवार भी घोषित हो गया हो तो वह खाली करा दी जायेगी। वरूण-मेनका को लेकर अनुमान थे कि यदि उन्हें टिकटें न मिलीं तो दोनों पार्टी छोड़ सकते हैं। अब वह स्थिति तो भाजपा हाईकमान ने टाल दी है लेकिन वरूण के निर्दलीय चुनाव लड़ने से लेकर सपा या कांग्रेस में जाने तक के विकल्प खुले हैं। हालांकि अब साफहै कि वे अपनी मां की स्थिति को खराब नहीं करेंगे क्योंकि उनके ऐसे कदम से मेनका की जीत की सम्भावना भीतरघात से धूमिल हो सकती है। हालांकि एक-एक सीट के लिये तरसते मोदी, जो तीसरी मर्तबा पीएम बनने का सपना संजोये हुए हैं, ऐसा नहीं होने देंगे लेकिन स्थानीय नेतृत्व या कार्यकर्ता क्या कर सकते हैं, भला इसकी गारंटी कौन ले सकता है? वैसे कोई शक नहीं कि मेनका की इतनी लोकप्रियता तो है कि पार्टी के सम्भावित अंदरूनी विरोध के बाद भी वे अपने दम जीत सकती हैं। तो भी माना जा रहा है कि पुत्र की ओर से ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाया जायेगा जो मां को अड़चन में डाले। अब बात रहती है कि क्या वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे, तो यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि वे अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। बात तो कांग्रेस के राहुल गांधी के भी वहां से लड़ने की होती रही है, पर साफहै कि जब देश ऐसे नाजुक मोड़ पर खड़ा है जिसमें राहुल की संसद में मौजूदगी बहुत जरूरी है, तो वे अपनी सुरक्षित सीट वायनाड (केरल) के ही जरिये आएंगे। यहां तक माना जाता है कि वर्तमान सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के लिये राहुल के मुकाबले वरूण कहीं बड़ी चुनौती होंगे। यह अलग बात है कि मेनका गांधी ने 1982 में सक्रिय राजनीति में आने के बाद इसी सीट पर अपना पहला चुनाव अपने जेठ राजीव गांधी के खिलाफलड़ा था

क्या रामलीला मैदान अपना 1977 का इतिहास दोहराएगा!

राजेन्द्र शर्मा

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि शराब घोटाले के आरोपों में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सर्वोच्च नेता, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी, ठीक उस समय हुई है जब चुनावी बांड महाघोटाले की परतें बाकायदा उधड़नी शुरू हो चुकी हैं। इसी का नतीजा है कि आम आदमी पार्टी की इस दलील का लोगों के बीच काफी हद तक असर हो रहा है कि कथित रूप से 100 करोड़ रु0 के दिल्ली के शराब घोटाले में अगर कोई मनी ट्रेल है भी तो, वह तो सीधे भाजपा तक जाती है, जिसके सबूत बांड घोटाले से संबंधित रहस्योद्घाटनों के हिस्से के तौर पर सामने आ चुके हैं। याद रहे कि जिस स्थापित दवा कारोबारी, शरतचंद रेड्डी की उक्त घोटाले के मुख्य अभियुक्त के रूप में गिरफ्तारी के बाद, बादामाफ गवाह बनाकर रिहाई के बाद, मुख्यतरू उसकी गवाही की ही बिनाह पर मनीष सिसोदिया तथा संजय सिंह के बाद, अब खुद अरविंद केजरीवाल की भी गिरफ्तारी की जा चुकी है, उससे जुड़ी कंपनियों ने इसी दौरान, बांड के जरिए भाजपा को पूरे 55 करोड़ रु0 का चंदा दिया था। इसमें 5 करोड़ रु0 का चंदा तो रेड्डी की जमानत पर रिहाई के फौरन बाद दिया गया था और बाकी 50 करोड़ का चंदा अलग-अलग किस्तों में बाद में दिया गया। अगर वाकई 100 करोड़ रु0 का घोटाला हुआ था, जैसाकि ईडी का आरोप है, तो इसे बेशक घोटाले की अवैध कमाई के प्रवाह की मुख्य धारा माना जाना चाहिए। हां! अगर कोई यह दलील देने लगे तो बात दूसरी है कि भाजपा को बांड के जरिए दिया गया 55 करोड रु0 तो ईडी द्वारा इस दवा व्यापारी से केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के लिए, सीधी-साधी हफ्ता वसूली या एक्सटॉर्शन का मामला है! इस पूरे मामले से इसका कुछ अंदाजा तो लग ही सकता है कि चुनावी बांड घोटाले का भूत, भाजपा की सारी कोशिशों के बावजूद, आसानी से उसका पीछा छोड़ने वाला नहीं है। यह घोटाला इतना बड़ा और इतनी अवैधताओं को समेटे हुए है कि कम से कम इस आम चुनाव तक तो, इसकी नयी-नयी परतें खुलती ही रहेंगी। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इस मामले में मोदी सरकार और सत्ताधारी पार्टी के बचाव के लिए, संघ-भाजपा की ओर से अमित शाह तथा निर्मला सीतारमण से लेकर, खुद आरएसएस के महासचिव, होसबले को उतारे जाने के बावजूद, घोटाले से लेकर हफ्तावसूली तक के आरोपों को जवाब देना तो दूर रहा, उन्हें भोंथरा तक नहीं किया जा सका है। और तो और संघ-भाजपा का इसका प्रचार भी खास काम नहीं आया है कि बांड के जरिए अगर अवैध तरीके से पैसा इकठ्ठा किया गया है, तो इस तरह अकेले भाजपा ने ही पैसा थोड़े ही जुटाया है, दूसरी पार्टियों ने भी तो बांड से पैसा उठाया है और तृणमूल कांग्रेस, टीआरएस, एसआरसीपी, बीजेडी आदि क्षेत्रीय पार्टियों ने तो खासतौर पर उल्लेखनीय मात्रा में इस रास्ते से पैसा उठाया है। प्रचार की सारी ताकत लगाए जाने के बावजूद, इस दलील को एक तो इस तथ्य ने बेअसर कर दिया है कि दूसरी तमाम पार्टियों को मिलकर बांड से जितना पैसा मिला था, उससे ज्यादा पैसा अकेले भाजपा ने बटोरा था। दूसरे कुछ क्षेत्रीय सत्ताधारी पार्टियां स्थानीय रूप से कुछ बड़े उद्योगपतियों को उपकृत करने के बदले में उनसे बांड से चंदा लेने की स्थिति में रही भी हों तब भी, केवल केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा ही केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर के हफ्ता वसूली करने और इन्फ्रस्ट्रक्चर, खनन आदि क्षेत्रों की भीमकाय कंपनियों को ठेकों, मंजूरियों आदि के जरिए उपकृत करने के बदले में चंदा बटोरने की स्थिति में थी। और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा ही, यह जानने की स्थिति में थी कि कौन सा उद्योगपति, उसके अलावा भी किस पार्टी को, कितना चंदा दे रहा था? इस जानकारी को हथियार बनाकर, केंद्रीय एजेंसियों के जरिए आसानी से यह सुनिश्चित किया जा सकता था कि चंदे का यह दरवाजा, सिर्फ और सिर्फ सत्तापक्ष के लिए खुला रहे, विरोधियों के लिए नहीं। कांग्रेस का चुनावी बांड से कमाई में तृणमूल कांग्रेस से भी पीछे, बहुत दूर तीसरे नंबर पर रह जाना और बांड से मिले कुल चंदे के दस फीसद से भी कम और भाजपा को मिले चंदे से चौथाई से भी कम में सिमट जाना, इसी की ओर इशारा करता है। इसीलिए, संघ-भाजपा और उनका सेवादार मीडिया, ध्यान बंटाने के जरिए, इस महाघोटाले को ज्यादा से ज्यादा अनदेखा करने की ही कार्यनीति का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से इस घोटाले के संबंध में, स्वतंत्र संगठनों तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा सामने लाया जा रहा मसाला इतना विस्फोटक है कि मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से को, खासतौर पर मुख्यधारा के प्रिंट मीडिया के एक हिस्से को भी, इन रहस्योद्घाटनों को जगह देनी ही पड़ रही है। मिसाल के तौर पर लीगेसी मीडिया भी पूरी तरह से इस तरह की कहानियों को कैसे अनदेखा कर सकता है कि बांड से करीब 1,000 करोड़ रु0 का चंदा देने वाली 32 दवा कंपनियों में, 7 ऐसी दवा कंपनियां भी शामिल थीं, जिनके खिलाफ घटिया दवाएं बनाने के लिए, सरकारी मशीनरी द्वारा जांचेंध कार्रवाइयां की जा रही थीं! या यही कि कुख्यात सिलक्यारा टनल, जिसके बैठ जाने से, इकतालीस मजदूर कई हफ्ते तक फंसे रहे थे और इसके बावजूद उसे बनाने वाली कंपनी के खिलाफकोई कार्रवाई नहीं की गयी थी, उसने भी भाजपा को 55 करोड़ रु0 का चंदा बांड के जरिए दिया था! और यह भी कि बीसियों कंपनियों ने अपने मुनाफे से कई-कई गुना ज्यादा चंदा बांड के जरिए दिया था और इनमें एक दर्जन से ज्यादा ऐसी कंपनियां शामिल थीं, जिन्होंने अपनी स्थापना के साथ ही यानी कोई मुनाफा आने से पहले ही चंदा देना शुरू कर दिया था या जिनके सारे लक्षण शैल या खोखा कंपनियों के थे। इस सब के सामने आने से, मीडिया पर मुकम्मल नियंत्रण और अधिकतम संभव प्रचार के बल पर, गढ़ी गयी मोदी राज की न खाऊंगा, न खाने दूंगा की छवि, भरभरा कर गिरनी शुरू हो गयी है। इसके स्वाभाविक परिणाम के रूप में, विपक्षी नेताओं को भ्रष्टइ बनाकर पेश करने की संघ-भाजपा की मुहिम, भोंथरी होती जा रही है। ऐसे में और खासतौर पर चुनाव से ऐन पहले, केंद्रीय एजेंसियों के सहारे विपक्ष के खिलाफकोई भी कार्रवाई, नरेंद्र मोदी के प्रचार के लिए उल्टी ही पड़ सकती है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में ठीक यही होता नजर आ रहा है। इससे पहले, जनवरी की आखिरी तारीख को, ऐसे ही गढ़े हुए मामले में, झारखंड के मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया थाय तब भी संघ-भाजपा अपना मनचाहा हासिल नहीं कर पाए थे। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के संदर्भ में जिस तरह, सरकार का वैकल्पिक नेतृत्व सामने आ गया, जिसने आसानी से बहुमत साबित कर दिया और जिस तरह हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ खासतौर पर झारखंड के आदिवासी गोलबंद हुए।

हर एक वोट जरूरी है–योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के पक्ष में प्रबुद्धजनों से किया संवाद

लखनऊ(यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक वोट कितना कीमती हो सकता है, यह आपने कल और परसों महसूस किया होगा। बचपन से हम सुनते रहे होंगे कि 'होली खेले रघुवीरा अवध में....' लेकिन क्या 500 वर्षों से रामलला ने अवध में होली खेली थी, लेकिन आपके एक वोट ने साबित कर दिया कि रामलला अवध में होली खेलेंगे। आपका एक वोट देश की तकदीर को बदल सकता है। धारा-370 हटा दिया गया। क्या कोई और पार्टी यह कर पाती। उग्रवाद व आतंकवाद के ताबूत पर आखिरी कील ठोक दी गई। अब हमारे सुरक्षा जवानों पर पत्थरबाजी नहीं होती, बल्कि लोकतंत्र की बहारें जम्मू-कश्मीर के अंदर खिलते हुई दिखाई दे रही हैं। आपके एक वोट ने पूर्वोत्तर भारत को उग्रवाद से मुक्त कर

दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गाजियाबाद में प्रबुद्धजनों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने यहां विधायक व भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा उम्मीदवार अतुल गर्ग के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए एक-एक वोट की कीमत समझाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश से आवाज आ रही है 'अबकी पार-400 पार', 'फिर एक बार मोदी सरकार'। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन की सुगमता के लिए एक-एक वोट की कीमत है। सुरक्षा, बेहतर वातावरण, अच्छी कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा व व्यापार के लिए अनुकूल माहौल हो, 2014 के पहले देश व 2017 के अंदर प्रदेश में ऐसा माहौल नहीं था। 1998 में मैं सांसद था, गाजियाबाद आने में हम हिचकते थे। गाजियाबाद अपराध व दूसरा गंदगी के लिए जाना जाता था। गाजियाबाद स्मार्ट सिटी में आज नंबर वन है। गाजियाबाद पुलिस रिफॉर्म का सबसे अच्छा उदाहरण बनता जा रहा है। वर्षों से जिन लोगों को मकान नहीं मिल पा रहे थे, गाजियाबाद में आज उन बायर्स को बिल्डर समय पर मकान दे रहे हैं। यह केवल बिल्डर की गलती नहीं थी, बल्कि सरकार की अकर्मण्यता भी थी। पहले की सरकारें निर्णय नहीं ले पा रही थीं, अब सरकार ने दोनों के बीच संवाद कराया तो बिल्डर-बायर्स की समस्या का समाधान हो रहा है। लाखों लोगों को आवास मिल रहा है। वे अब स्वयं के मकान में रह रहे हैं।मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले दंगे होते थे। दंगे के कारण कर्फ्यू लगता था। आज शानदार कांवड़ यात्रा निकल रही है। पहले कांवड़ यात्रा इसलिए नहीं निकलती थी कि कुछ लोगों को कष्ट होगा। मैंने कहा कि हम किसी को कष्ट पहुंचाने नहीं आए हैं, बल्कि समाज को संतुष्ट करने आए हैं, इसलिए आस्था का सम्मान होना चाहिए। सनातन धर्मावलंबी किसी को छेड़ता नहीं। शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण तरीके से जीवन यापन करना चाहता है। कांवड़ यात्रा कठिन निर्णय था। पहले से सारी चीजें तय थीं। हमने पूछा कि क्या हुआ, मुझे बताया गया कि बैठक हो गई। फिर पूछा बैठक में क्या तय हुआ तो बताए कि कांवड़ यात्रा नहीं निकलेगी। मैंने कहा कि यहां ताली बजाने और भजन गाने नहीं आए हैं।

होली मिलन समारोह भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर दी होली की शुभकामनाएं

भाजपा सदर विधायका के आवास पर होली मिलन समारोह में जमकर खेली होली

विधायका सरिता भदौरिया ने जनपद वासियों को दी होली की शुभकामनाएं

इटावा। पूरा देश होली का त्यौहार मना रहा है. न सिर्फ मथुरा वृंदावन बल्कि इटावा में भी होली के रंग में लोग रंगे नजर आये हैं. इस दौरान कई सियासत के दिग्गज भी अपनों के साथ होली खेलते दिख रहे हैं। होली के अवसर पर सदर विधायक सरिता भदौरिया द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर होली खेली इस अवसर पर उन्होंने कहा कि होली त्योहार भक्ति का प्रतीक है प्राचीन काल से भगवान भक्त की रक्षा करते चले आए राम वर्ष 2024 भक्तों का वर्ष है इस वर्ष में नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी अबकी बार 400 पार पहुंच रही है।

इस अवसर पर सदर विधायक सरिता भदौरिया ने सभी कार्यकर्ताओं को होली की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर जिला महामंत्री अन्नू गुप्ता जिला मंत्री जितेन्द्र गौड पूर्व जिला अध्यक्ष शिव प्रताप राजपूत विधायक प्रतिनिधि हरि नारायण बाजपेई पूर्व सांसद विधायक रघुराज सिंह शाक्य ब्लाक प्रमुख गणेश राजपूत पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक चौबे इकदिल पुर्व चेयरमैन सौरभ दिक्षित वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश राजपूत विधान सभा मीडिया प्रमुख ओम रतन कश्यप पूर्व जिला अध्यक्ष राम कुमार चौधरी क्षेत्रीय महामंत्री विकास भदोरिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजू चौधरी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बिरला शाक्य नगर अध्यक्ष विवेक गुप्ता उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला संरक्षक एमपी सिंह तोमर पूर्व महिला जिला अध्यक्ष गुड्डी बाजपेई जिला मंत्री अशोक चौहान भाजपा नेता राम शरण गुप्ता वरिष्ठ भाजपा नेता विवेक रंजन गुप्ता जितेन्द्र जैन महिला नेत्री नीतू नारायण मिश्रा सुशांत दीक्षित द्वितीय मंडल अध्यक्ष अनुग्रह सेंगर इकदिल मंडल अध्यक्ष अभिषेक तिवारी पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक चौबे हिंदू सेवा समिति की प्रदीप शर्मा विद्यार्थी परिषद से आशीष बाथम पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष मनीष बघेल व्यापारी नेता अनंत अग्रवाल कृष्ण मुरारी गुप्ता बादशाह राजपूत प्रदीप अग्रवाल महिला जिला प्रभारी सुप्रिया मिश्रा किसान मोर्चा दिनेश भदोरिया हरिशंकर चतुर्वेदी रंजीत वर्मा पूर्व नगर अध्यक्ष राजकुमार वर्मा सुधीर वर्मा सभासद शरद

बाजपेई प्रमोद राठौर अनंत बर्मा प्रशांत दीक्षित अंशु दुबे नगर उपाध्यक्ष अखिलेश कौशिक नगर कोषाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा जितेंद्र राजपूत अमित कुमार युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष तरुण रंजन गुप्ता नगर मंत्री चंदन पोरवाल अंकुल चौहान सहित तमाम भाजपा के जिला के नेता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकजुट विपक्ष और मोदी का 370-400 सीटों का लक्ष्य

डॉ. दीपक पाचपोर

देश होली मना चुका है। लोगों के शरीरों पर लगा रंग तो उतर रहा है, पर अब सही मायनों में सियासी रंग चढ़ने लगा है। वह इसलिये क्योंकि सवा-डेढ़ माह दूर रह गये लोकसभा के चुनावी मैदान में उतरे सभी दल या तो अपने प्रत्याशी तय कर चुके हैं या फिर उस प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं। जहां तक गठबन्धन की बात है, तो सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के साथ कथित रूप से तीन दर्जन से अधिक राजनीतिक दल एनडीए के हिस्से हैं। वहीं प्रमुख चुनौती बनकर उभरी कांग्रेस ने अपने इंडिया गठबन्धन में दो दर्जन पार्टियों को शामिल कराकर भाजपा एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिंताएं बढ़ा दी हैं जो अपने लिये तीसरा कार्यकाल तय मानकर चल रहे थे। सीटों का बंटवारा भी अपने-अपने लिहाज से हो रहा है। कांग्रेस जहां पांच न्याय एवं 25 गारंटियों के ईर्द-गिर्द अपना घोषणापत्र लगभग बना चुकी है, वहीं भाजपा मोदी के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये एक बार और सत्ता चाहती है। हालांकि वे कौन से काम हैं जो पूरे किये जाने हैं, यह अस्पष्ट, अपराभाषित व अव्याख्यायित है। उल्टे, उनके 10 साल के कामों को देखते हुए तो वह बड़ी हद तक आशंका पैदा करने वाले हैं। इस चुनावी चरण से निकलकर अब कयासों का दौर शुरू हो चुका है कि अगली सरकार किसकी बनने जा रही है। भारत के मानचित्र को सामने रखकर जब इस पर विचार होता है तो लोगों के सामने यह आश्चर्य बनकर उभरता है कि मोदी ने जो लक्ष्य बनाया है, वह कैसे पाया जा सकता है। विभाजित प्रतिपक्ष के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा की स्थिति ऐसी कतई नहीं थी कि वह पहले से भी बड़ा बहुमत लेकर सत्ता में लौट सके। वह तो ऐन वक्त पर घटा पुलवामा कांड था जिसकी आड़ में मोदी दूसरी बार पीएम बने। उन्होंने शहीदों के नाम पर सहानुभूति और वोट दोनों बटोरे। पहले दौर की ही तरह मोदी का दूसरा कार्यकाल भी असफलताओं से भरा साबित हुआ। 2014 से 2019 के बीच नोटबन्दी लोगों के लिये जानलेवा साबित हुई तो 2019 से अब खत्म होने जा रहे कार्यकाल के दौरान कोरोना ने देश को तबाह कर दिया। देश चाहे आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका हो परन्तु मोदी के चंद पूंजीपति मित्र अमीरों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये। साफ था (और है भी) कि मोदी का वरदहस्त उन पर था। इसके खिलाफ संसद के भीतर व बाहर जमकर आवाजें उठीं, भ्रष्टाचार के पर्दाफाश भी हुए लेकिन इस पर सरकार ने मौन साधे रखा। उल्टे, अपनी ताकत का इस्तेमाल कर विरोधी आवाजों को बन्द करने के संगठित, सुनियोजित एवं राज्य प्रायोजित उपक्रम हुए। कुछ में सरकार कामयाब हुई तो कुछ आवाजों को वह दबा न सकी। वैसे तो 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के लिये मोदी-भाजपा ने तैयारियां काफी पहले से शुरू कर दी थीं, लेकिन सबसे बड़ा दांव अयोध्या स्थित राममंदिर का था जिसमें रामलला की मूर्ति की 22 जनवरी को आनन-फानन में प्राण-प्रतिष्ठा तो हुई लेकिन उसका खास फायदा होता नजर नहीं आया क्योंकि श्रद्धा की जो लहर उठाई गयी थी, वह हफ्ते भर में ही विलीन हो गयी। फिर, नागरिकता संशोधन कानून का भी अपेक्षित फायदा मिलता नहीं दिख रहा है। चूंकि कामों के बारे में किसी भी तरह का उल्लेख करने की स्थिति में भाजपा और मोदी हैं ही नहीं, तो मोदी अपनी रैलियों व भाषणों में भावनात्मक मुद्दे उभारने की कोशिशें कर रहे हैं, जिनमें कभी वे संदेशखाली (पश्चिम बंगाल) की महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न पर आंसू बहाते हैं तो कभी बताते हैं कि राहुल गांधी युवाओं को \`नशेड़ी' बतला रहे हैं। ऐसे ही, राहुल गांधी द्वारा दिये गये इस बयान को भी उन्होंने हास्यास्पद ढंग से तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश की जिसमें राहुल ने कहा था कि वे ( राहुल ) एक \`शक्ति' के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने मोदी की दमनात्मक शक्तियों की ओर ईशारा किया था लेकिन मोदी ने उसे बड़े ही बचकाना तरीके से स्त्री शक्ति से जोड़ने की नाकाम कोशिश की। वे साबित करना चाहते थे कि राहुल व कांग्रेस महिला तथा हिन्दू विरोधी हैं। उनकी ऐसी चालें बेअसर हो रही हैं क्योंकि लोग अब जान गये हैं कि जो मोदी संदेशखाली की महिलाओं की स्थिति को लेकर इतने द्रवित हैं वे मणिपुर और महिला पहलवानों के मामलों में चुप्पी साधे बैठे हैं। उनके दोनों ही आचरण उनकी राजनीति के हिस्से हैं। 2014 में वे कांग्रेस के कथित भ्रष्टाचार, परिवारवाद आदि के जिन मुद्दों को लेकर जीते थे, आज भी वे ही उनके मुख्य सियासी राग हैं। इसका कारण यही है कि पीएम के पास उनके कथित आर्थिक मॉडल और विकास सम्बन्धी कोई भी बात बतलाने के लिये है ही नहीं। ऐसे में कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन अपने कुछ आंतरिक दिक्कतों के बावजूद लगातार मजबूत हो रहा है। असली बात यह है कि वह एकजुट बना हुआ है जिसके बारे में भाजपा ने उम्मीद ही नहीं की थी। यह तो सही है कि कई राज्यों या सीटों पर इंडिया के भागीदार दलों के बीच मतभेद हैं लेकिन उन पर परस्पर चर्चाएं हो रही हैं। बड़ी बात नहीं कि कुछ पर विवाद बने रहें और उनके आखिर तक हल न ढूंढे जा सकें पर सवाल यह है कि मोदी ने अबकी बार जो भाजपा की 370 व एनडीए की 400 सीटों का लक्ष्य रखा है वह क्या प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह लक्ष्य पाना कठिन दिखता है। इसके कई कारण हैं। पहला तो यह है कि यह इसलिये व्यवहारिक नहीं हो सकता क्योंकि भाजपा का दावा है कि उनके एनडीए में 38 दल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भाजपा अपनी सहयोगी 37 पार्टियों से सिर्फ 30 सीटों की उम्मीद रखती है। फिर, अपने चरमोत्कर्ष काल में भाजपा 303 सीटें ही जीत सकी थी तो इनमें लगभग 70 का इजाफा वह कैसे करेगी ? कुछ का कहना है कि यह केवल मनोवैज्ञानिक युद्ध है जो मोदी लड़ रहे हैं। वे ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे है जिससे लोगों को लगे कि भाजपा सरकार ज्यादा बड़े बहुमत से जीतकर आ रही है। दूसरे, वे विपक्ष का मनोबल गिराना चाहते हैं। नया घटनाक्रम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी का है जिसके कारण भाजपा और भी फंस गयी है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार करने से इंडिया गठबन्धन और भी एकजुट हो गयी है। आप की मौजूदगी दिल्ली के अलावा सरकार के रूप में पंजाब में है। इसके साथ ही चंडीगढ़ में उसका मेयर है तथा गोवा, गुजरात, हरियाणा के अलावा कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में भी उसकी उपस्थिति है। इस गिरफ्तारी से भाजपा की \`बी' टीमें कहलाने वाली पार्टियां भी सतर्क हो गयी हैं। बड़ी बात नहीं कि वे चुनाव के पहले या बाद में इंडिया से जुड़ जायें क्योंकि उन्होंने देख लिया है कि जो केजरीवाल अक्सर भाजपा के लिये मददगार साबित हुए हैं, वे भी असुरक्षित हैं, फिर तो किसी पर भी गाज गिर सकती है। उधर भाजपा के कई लोग चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं। कई ने पार्टी टिकटें तक लौटा दीं।

खेत खलिहानों में तपिश की दबिश

सच है कि ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिये तो कष्टकारी है ही, किसान के लिये संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिये सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं। यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य शृंखला से भी जुड़ा है। यानी गाहे-बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यू.एम.ओ. की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है। फिक्र की बात यह है कि इसके मौजूदा साल में और अधिक रहने की आशंका जतायी जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर-सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है। यह सर्वविदित है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिये एक खतरे की घंटी जैसा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक-ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू-भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल दे सकता था। लेकिन कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल-फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे।

जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिये तैयार रहना होगा।

बोर्ड की कापियां क्षेत्रीय कार्यालय भेजने में नही लगेगी शिक्षकों की ड्यूटी

लखनऊ (यूएनएस)। बोर्ड की कॉपियों के बंडल को क्षेत्रीय कार्यालयों को भेजने में शिक्षकों की ड्यूटी अब नहीं लगेगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने निर्देश जारी कर दिया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने डीआईओएस को पत्र भेजकर कहा है कि मूल्यांकन केंद्र से मूल्यांकन के बाद कॉपियों के बंडल को क्षेत्रीय कार्यालयों में भेजने के लिए शिक्षकों की ड्यूटी न लगाई जाए। सिर्फ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ही ड्यूटी लगाई जाए। शिक्षक संघों के मूल्यांकन बहिष्कार जारी रखने के निर्णय के बीच माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने शिक्षकों से मूल्यांकन में सहयोग की अपील जारी की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मूल्यांकन बहिष्कार के कारण परिणाम प्रभावित होगा।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान विपक्ष का उत्पीड़न और छापेमारी बन्द की जाये

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के वामपंथी दलों की एक बैठक आज यहाँ भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यालय पर संपन्न हुयी। बैठक की अध्यक्षता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डा ? गिरीश ने की। बैठक में माकपा के राज्य सचिव डा ? हीरालाल यादव, भाकपा के राज्य सचिव का ? अरविन्दराज स्वरूप, भाकपा माले की राज्य स्थाई समिति के सदस्य का ? रमेश सिंह सेंगर, फारवर्ड ब्लाक के प्रदेश महासचिव उदय नाथ सिंह, लोकतान्त्रिक जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जुबेर अहमद एवं माकपा राज्य सचिव मण्डल के सदस्य का ? प्रेमनाथ राय आदि ने विचार व्यक्त किए। बैठक में भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा चुनाव प्रक्रिया के दौरान विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारी और उन पर छापेमारी की कड़े शब्दों में निंदा की गई। वामदलों ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों की निष्पक्षता के लिए आवश्यक है कि ईडी, सीबीआई, एवं आईटी की कार्यवाहियाँ तत्काल रोकी जायें। निर्वाचन आयोग से भी मामले में हस्तक्षेप की मांग की गयी।आरोप लगाया कि इलैक्शन बांड में लिप्तता, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी एवं किसानों की बदहाली के चलते भाजपा सरकार पूरी तरह बेनकाब हो गयी है। उत्तर प्रदेश में भी जंगलराज की स्थिति बन चुकी है। तथाकथित रामराज्य में पहली होली के मौके पर महिलाओं से बदसलूकी,, दलितों- कमजोरों पर हमले और हत्याओं की सैकड़ों वारदातों ने स्पष्ट कर दिया है कि बुलडोजर केवल विरोधियों और कमजोरों का उत्पीड़न कर रहा है, दबंग और अपराधी बेखौफ बने हुये हैं। प्रदेश में फलों, सब्जियों और अन्य कई जरूरी जिंसों के दामों में अचानक हुयी वृद्धि भी जनता की कठिनाइयों में इजाफा कर रही है।वामदलों ने कहा कि इलैक्शन बांड के जरिये भाजपा ने सरकार की ताकत का दुरुपयोग करते हुये कंपनियों को धंधा और धमकी देकर करोड़ों का चन्दा लिया। इस बड़े गोलमाल में वामदलों को छोड़ कर अधिकतर दल शामिल हैं, यह रेखांकित किया जाना चाहिए। बैठक में नोट किया गया कि जनभावनाओं का दोहन करने के उद्देश्य से भाजपा ने रामायण सीरियल के नायक को मेरठ संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाया है, जबकि डीडी-1 पर यह सीरियल आज तक भी प्रसारित हो रहा है। निर्वाचन आयोग से मांग की गई कि इस सीरियल का प्रसारण लोकहित में तत्काल बंद कराया जाये। वामदलों ने संकल्प व्यक्त किया कि वे वाम एकता को कायम रखते हुये लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने को संयुक्त रूप से काम करेंगे। बैठक में जेएनयू छात्र संघ की सभी सीटों पर संयुक्त वामपंथ के प्रत्याशियों की जीत पर उन्हें बधाई दी गयी।

एक अप्रैल से महंगा हो जाएगा राष्ट्रीय राजमार्गों में सफर

कानपुर। बारा, अनंतराम, अलियापुर और खन्ना टोल प्लाजा में टोल टैक्स में मामूली वृद्धि की गई है। नई दरें एक अप्रैल से लागू हो जाएंगी। प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों टोल प्लाजा में भी टोल टैक्स की नई दरें अभी घोषित नहीं हुई हैं। कानपुर में एक अप्रैल से शहर से जुड़े तीन राष्ट्रीय राजमार्गों में सफर करना महंगा हो जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) यहां से दिल्ली, झांसी, सागर, लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल टैक्स बढ़ा रहा है। बारा टोल प्लाजा में कार, जीप या वैन से जाने में 180 रुपये टोल टैक्स पड़ेगा। फिलहाल ऐसे वाहनों से 175 रुपये टोल टैक्स लिया जा रहा है। अन्य सभी प्रकार के वाहनों का टोल टैक्स पांच रुपये से 35 रुपये बढ़ाया गया है। अनंतराम टोल प्लाजा में कार का टोल टैक्स 110 रुपये किया गया है। गैर व्यावसायिक वाहनों की तुलना में व्यावसायिक वाहनों के टोल टैक्स में ज्यादा वृद्धि की गई है। 24 घंटे में वापसी करने पर भी अब जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। दिल्ली रूट के बारा, झांसी रूट के अनंतराम, सागर मार्ग के अलियापुर व खन्ना टोल और लखनऊ रूट के नवाबगंज (उन्नाव) टोल प्लाजा में टोल टैक्स बढ़ाया गया है। दो अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों (प्रयागराज राजमार्ग, जीटी रोड) में टोल टैक्स की नई दरें एक-दो दिन में घोषित हो सकती हैं। एक अप्रैल से नई दरें लागू करने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बीते एक अप्रैल को टोल टैक्स में पांच रुपये से 45 रुपये तक की वृद्धि की गई थी।नवनिर्मित जीटी रोड राष्ट्रीय राजमार्ग में आईआईटी से मंधना के बीच बन चुकी छह लेन की एलिवेटेड रोड को अभी चालू नहीं किया गया है। इसके 10 अप्रैल से वाहनों के आवागमन के लिए खोले जाने की संभावना व्यक्त की गई है।

पुलिस पर महिला का आरोप, मारपीट की धारा में दर्ज की दुष्कर्म की रिपोर्ट

लखनऊ (यूएनएस)। अपनी कार्यशैली से हमेशा सुर्खियों में रहने वाली पुलिस का एक अजब कारनामा सामने आया है। चिनहट पुलिस पर एक पीड़िता ने दुष्कर्म की धारा का विलोपन का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि दर्ज की गई प्राथमिकी में पुलिस ने दुष्कर्म के पहलू को दरकिनार कर उसका मिडिएशन करा दिया। मिडिएशन फेल होने पर मारपीट और धमकी देने की धारा में एफआईआर दर्ज कर खानापूर्ति कर ली। गौरतलब है कि गत 13 मार्च को चिनहट थाने में एक महिला (42) ने महानगर के बालदा कालोनी हैदराबाद निवासी मंजूर हसन और उसके परिवारिक सदस्यों पर एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला द्वारा दी गई लिखित शिकायत में इस बात का जिक्र किया गया है कि वर्ष 1997 में उसकी शादी हुई थी और दो साल बाद बीमारी के चलते पति की मौत हो गई थी। इसी बीच पति का दोस्त मंजूर हसन मदद के बहाने उसके सम्पर्क में आया और फिर शादी का झांसा देकर 18 वर्षों तक शारीरिक शोषण करता रहा। मंजूर से उसके तीन बच्चे भी हैं। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने मंजूर से शादी करने का दबाव बनाया तो वह जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा। इस बीच मंजूर ने दूसरी महिला से निकाह कर लिया। जब यह मामला चिनहट थाने पहुंचा तब पुलिस ने महिला को मिडिएशन सेंटर में भेज दिया।

पांच ग्राम स्मैक के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ (यूएनएस)। निगोहां पुलिस ने बुद्धवार को एक महिला तस्कर को पाँच ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने महिला तस्कर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया हैं। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी के अनुसार क्षेत्र के उतरावां गांव में काफी समय से स्मैक बेचने की सूचना मिल रही थी। बुद्धवार को मुखबिर ने एक महिला द्वारा गुमटी में रखकर स्मैक बेचने की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस टीम के साथ मौक पर छापेमारी कर महिला रेखा सिंह को पांच ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।

रंजिश में दो पक्षो में जमकर मारपीट

लखनऊ (यूएनएस)। निगोहां गांव में मगंलवार को रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी जिसमें पांच लोग घायल हो गये।पुलिस ने दोनो पक्षो की तहरीर पर मारपीट समेत अन्य धाराओ में क्रास मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी हैं। निगोहां गांव निवासी चौकीदार गनेश रावत व पड़ोसी नन्हकऊ के बीच काफी समय से रंजिश चल रही थी,बीते मगंलवार की देर शाम दोनो पक्षो में कहासुनी से शुरु हुआ विवाद कुछ देर में मारपीट में तब्दील हो गया,जिसके बाद जमकर हुयी मारपीट में एक पक्ष से चौकीदार गनेश व उसका बेटा शेरा,सजीवन, आलोक व दूसरे पक्ष से नन्हकऊ व संदीप घायल हो गये।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया दोनों पक्षो की तहरीर पर मारपीट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को अध्यक्ष ने ट्राफी व प्रशस्ति पत्र दिया

कानपुर देहात (यूएनएस)। रामा इंटरनेशनल स्कूल झींझक के द्वारा दूसरे वर्ष उड़ान कार्यक्रम का आयोजन जूनियर हाई स्कूल रामलीला मैदान आयोजित किया गया।जिसमे स्कूल के बच्चो ने अपना जौहर दिखाया।प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को नगर पालिका परिषद झींझक के अध्यक्षअमित तिवारी उर्फ सोनू तिवारी ने बच्चो को ट्राफी व प्रशस्ति पत्र वितरित किए।रामा इंटरनेशनल स्कूल झींझक के द्वारा दो दिवसीय उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मीटर दौड़ में रागिनी प्रथम प्रतिज्ञा द्वितीय एवं छवि तृतीय स्थान पर रही वहीं लड़कों में विराट प्रथम अभय द्वितीय एवं विराट शर्मा तृतीय स्थान पर रहे।वही 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता लड़कियों में आस्था प्रथम अक्षिता द्वितीय आराध्या तृतीया रही।वहीं लड़कों में अंश प्रथम अक्षांश द्वितीय व अक्षत तृतीय रहा। वही 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में पल्लवी प्रथम कृति द्वितीय व अर्पिता तृतीय रही वहीं लड़कों में शिवा प्रथम ग्रंथ सिंह द्वितीय व प्रांशु तृतीय रहा।200 मीटर रनिंग प्रतियोगिता जूनियर में हर्षित प्रथम अक्षत द्वितीय आर्यन तृतीय रहा।वही 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में लड़कियों में पायल प्रथम निहारिका द्वितीय अनामिका तृतीय रही वहीं लड़कों में क्रिस प्रथम आशीष द्वितीय धीरेंद्र तृतीय रहा।प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में बच्चों ने कबड्डी में अपना जौहर दिखाया।चारों हाउस के मध्य दो-दो मैच हुए जिसमें से फाइनल में येलो हाउस वह ग्रीन हाउस पहुंची।

होली के पर्व पर शोभा यात्रा निकाली

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ऊंट पर बैठकर पूर्व उप मुख्यमंत्री पर डाला रंग

लखनऊ(यूएनएस)।लोकसभा चुनाव का समय चल रहा है। चारों तरफराजनीति पर चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन होली के दिन हर कोई होली के रंग में रंगना चाहता है,खुशियां मनाना और झूमना चाहता है। फिर चाहे वह आम आदमी हो या फिर राजनेता। राजधानी में सोमवार को होली के दिन सुबह से ही चारों तरफ हर्षो उल्लास का माहौल था। हर कोई होली के रंग में रंगा हुआ था, कहीं नाच गाना तो कहीं थिरकना जारी रहा। इस दौरान राजधानी के चौक इलाके में बीजेपी के दो बड़े नेता एक दूसरे पर पिचकारी से रंग डालते नजर आए। जी हां हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ऊंट पर सवार थे और पिचकारी से दिनेश शर्मा पर रंग डाल रहे थे, तो वहीं दूसरी तरफ पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर पिचकारी से रंग डालने में पीछे नहीं रहे। होली पर्व पर राजधानी स्थित खाटू श्याम मंदिर पर सोमवार के दिन भारी तादाद में भक्त इकट्ठा हुए और जमकर होली खेली, एक दूसरे को गुलाल लगाया और होली की शुभकामनाएं दी। इससे पहले भक्तों ने भगवान खाटू श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा। होली के पर्व पर राजा बाजार में एक शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों ने जमकर रंग और गुलाल भी उड़ाए। यह शोभा यात्रा लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय होलीकोत्सव समिति की तरफसे निकाली गई।

बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने लोगों से मिलकर दी बधाई

लखनऊ (यूएनएस)। होली के मौके पर भाजपा की तरफसे कई जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने हजरतगंज स्थित राज भवन आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इसमें आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को गुलाल और रंग लगाकर गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी है। भाजपा नेता नीरज सिंह ने गोमतीनगर स्थित आईएमआरटी कॉलेज में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें भजन गायक किशोर चतुर्वेदी ने भजन हमारे राम बड़े हितकारी, होली खेल रहे नंदलाल.., आज बृज में होली, ए री सखी मंगल गाओ गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मौके पर लोग ढोल नगाड़े पर डांस करते रहे हैं। इस दौरान एक दूसरे को जमकर अबीर और गुलाल लगाया गया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं के साथ होली खेली है। मौके पर आरएसएस के अवध प्रांत प्रचारक कौशल, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय, मुख्यमंत्री मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी, विधायक डॉ. नीरज बोरा, बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला, एलएमसी मुकेश शर्मा, राम चंद्र प्रधान, पवन चौहान, अपर्णा विष्ठ, उपविजेता रजनीश गुप्ता, अंजनी श्रीवास्तव, भाजपा महानगर महामंत्री त्रिलोक चंद्र अधिकारी, पुष्कर शुक्ला, उपाध्यक्ष धनश्याम दास अग्रवाल, विवेक सिंह तोमर, टिंकू सोनकर, सौरभ वाल्मीकि सहित अन्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। आलमबाग स्थित कार्यालय पर लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने होली उत्सव का कार्यक्रम किया। इसमें उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शामिल हुए। उन्होंने कार्यकताओं को बधाई दी है। मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम और सद्भाव का त्योहार है। हम सभी ने एक साथ होली मनाई है।

पति ने बेल्ट से पीटकर पत्नी को मार डाला, पुलिस के डर से भागा

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में शराब के नशे में पति ने पत्नी की पीटकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह नशा उतरा तो देखा कि पत्नी मरी पड़ी है। पुलिस के डर से आरोपी पति मौके से फरार हो गया है। बिजनौर थाना पुलिस हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। बिजनौर थाना क्षेत्र के चंद्रावल का माजरा सहदुल्ला खेड़ा में चंद्रावती और सुरेश अपने बच्चों के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुरेश मजदूरी करता है। रोज शराब पीकर घर पहुंचता था। इसके बाद मारपीट करता था। होली की रात में भी सुरेश शराब के नशे में घर पहुंचा। इसके बाद रात में सुरेश ने पत्नी चंद्रावती की पिटाई की। रात के समय में पत्नी को नशे में धुत पति ने खूब पीटा। इससे चंद्रावती के माथे और चेहरे पर कई जगहों चोट लग गई। बुरी तरह से चोट लगने के बाद चंद्रावती ने दम तोड़ दिया। 14 साल पहले सुरेश और चंद्रावती की शादी हुई थी। दोनों के चार बच्चे हैं। शिवा (13) कुरौनी स्थित स्कूल में कक्षा 9वीं का छात्र है। सुशांत (9) सादुल्लह खेड़ा स्थित सरकारी स्कूल में 5वीं का छात्र है। पांच वर्ष का बेटा आयुष और बेटी कविता भी है। पुलिस का कहना है कि रात करीब 12 बजे की घटना है। घटना के समय बगल स्थित कमरे में बच्चे सो रहे थे। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मौके से घटना में इस्तेमाल किया गया बेल्ट और देसी शराब बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि आरोपी ने रात में बेल्ट से पीटकर पत्नी की हत्या की। सुबह होने पर पत्नी मरी हुई मिली तो मौके से फरार हो गया।

अच्छा अखलाक ही इंसान की खूबसूरती

लखनऊ (यूएनएस)। तालीम और तरबियत ट्रस्ट की निगरानी में मेहदवी समाज के लेक्चर्स आज 16वें दिन भी जारी रहे जिसमें 14 सेंटर पर दीनी, एखलाकी, समाजी, दर्स का सिलसिला जारी है। कल सभी उस्तादों ने रसूल ए खुदा के बड़े नवासे इमाम हसन अ.स के सिलसिले से स्टूडेंट्स को लेक्चर्स दिए जिसमें हजरत की जिंदगी के अखलाकी पहलुओं पर जोर देते हुए उन के सब्र पर वाकयात से रोशनास कराया।

होली पर खूनी संघर्ष, अनुसूचित जाति के परिवारों पर जानलेवा हमला, मायावती ने जताया दुख

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में अनुसूचित जाति के परिवारों पर जानलेवा हमला करने की घटना पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस घटना को निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा, जिला बिजनौर में नजीबाबाद के मुखत्यारपुर गांव में सामंती तत्वों द्वारा दलित परिवारों पर प्राणघातक हमले में अनेक लोगों के घायल होने की घटना गंभीर व अति-दुःखद। सरकार एससी,एसटी एक्ट के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि चुनावी माहौल न बिगड़े। चुनाव आयोग भी इसका संज्ञान ले। दरअसल, नजीबाबाद के गांव मुख्तियापुर में कल यानी होली के दिन मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हुआ। दोनों तरफ से धारदार हथियार भी चले। इसमें कई लोग घायल हुए और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत खलीलपुर के मौजा मुख्तियारपुर में शिवम का

गांव में ही एक युवक से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। होली पर दोपहर में लगभग डेढ़ बजे हुए विवाद में एक पक्ष के प्रदीप और शिवम सहित दोनों पक्ष के कई लोग घायल हो गए। धारदार हथियार से प्रदीप की गर्दन पर गहरा घाव हो गया। घायल प्रदीप और शिवम को पूजा नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। यहां पर प्रदीप की हालत काफी गंभीर है। इस मामले में एसपी सिटी का कहना है कि कुछ लोग होली रंग जुलूस हमले में घायल हुए है जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए बाकी पूरे मामले की जांच सीओ नजीबाबाद को सौंप दी गई है। साथ ही हुड़दंगियों को चिन्हित कर बाकी की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्तार की सुरक्षा में लापरवाही पर जेलर और दो डिप्टी जेलर निलंबित

बांदा (यूएनएस)। मुख्तार अंसारी की सुरक्षा में लापरवाही पर जेलर और दो डिप्टी जेलरों को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि जेल अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई पुराने मामले में की गई है। माफिया मुख्तार अंसारी बांदा जेल में बंद है। 19 मार्च को एंबुलेंस प्रकरण में मुख्तार को बाराबंकी की एमपीएमएलए कोर्ट जाना था, लेकिन वह नहीं गए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई। कोर्ट में हाजिर होकर डिप्टी जेलर ने मुख्तार के बीमार होने की बात कही।

यूपी के अल्पसंख्यक भी बोलेंगे एक बार फिर मोदी सरकार

योगी सरकार के प्रयासों से अल्पसंख्यक समुदाय के हर पात्र व्यक्ति तक बिना भेदभाव पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

लखनऊ (यूएनएस)। प्रयागराज में अतीक अहमद की अवैध संपत्ति को ध्वस्त कर योगी सरकार ने जब वहां गरीबों के लिए कॉलोनी बसाई तो कई अल्पसंख्यक महिलाओं के अपने खुद के मकान का सपना पूरा हो सका। वहीं, लखनऊ की अकीला बानो समेत प्रदेश भर में हजारों मुस्लिम महिलाओं को योगी सरकार की निराश्रित महिला पेंशन का भी लाभ मिल रहा है। आवास हो, राशन हो, बेटियों की शादी हो या फिर शिक्षा, अल्पसंख्यक समुदाय तक राज्य और केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पहुंच रहा है। 2024 आम चुनावों में जब अल्पसंख्यक वोट देने मतदान केंद्र में पहुंचेंगे तो उनके जेहन में ये सारी बातें होंगी। डबल इंजन की सरकार को भरोसा है कि हर बार की तरह इस बार भी अल्पसंख्यक समुदाय से बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की बदली हुई छवि को और मजबूत करने के लिए भाजपा को चुनेंगे, न कि उन्हें जिनके लिए वो वोट बैंक से ज्यादा कुछ और नहीं।

प्रदेश में सरकार की योजनाओं का लाभ पाने वाली अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाएं भी मानती हैं कि योगी सरकार में उन्हें बिना भेदभाव लाभ मिला है। कोरोना काल में जब सभी काम धंधे बंद थे, तब पीएम मोदी की ओर से मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई, जिसे आगे बढ़ाते हुए सीएम योगी ने भी मुफ्त राशन उपलब्ध कराया तो महामारी में भी गरीब अल्पसंख्यकों के घर का चूल्हा बंद नहीं हुआ। जब महिलाओं को उनके अपने घर की चाभी सौंपी गई तो नम आंखों से उन्होंने सीएम योगी और पीएम मोदी को दुआएं दीं। निराश्रित महिलाओं को जब पति की मृत्यु के बाद पेंशन की सुविधा मिली तो उन्होंने भी हृदय से आभार जताया। उज्ज्वला योजना के तहत जब महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर मिला तो उन्होंने भी पीएम और सीएम को दिल से आशीर्वाद दिया। ऐसा माना जाता है कि अल्पसंख्यक समुदाय से बड़ी संख्या में महिलाएं भाजपा को वोट देती आई हैं और 2024 में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे मिशन 80 में जुटी सरकार का संकल्प पूरा होने में मदद मिलेगी। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद और 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के गठन के बाद उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने लोगों के हितों के लिए जो भी योजना बनाई, उसका वितरण किसी का धर्म या जाति देखकर नहीं किया। इन योजनाओं के केंद्र में गरीब और वंचित लोग ही रहे, फिर वो चाहे किसी धर्म के हों या किसी भी जाति के। इसके फलस्वरूप सभी योजनाएं समान रूप से क्रियान्वित हुईं और बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों को इसका लाभ मिल रहा है। योगी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए घर और अन्न की आवश्यकता को पूरा करने के साथ ही उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने और बच्चों की शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया है।

अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग के तहत अल्पसंख्यकों के बच्चों को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान किया जा रहा है। 2022-23 में पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत बजट में प्राविधानित 30 करोड़ की धनराशि के सापेक्ष कुल 1,08,756 पात्र छात्र एवं छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इसी तरह दशमोत्तर छात्रवृत्ति के अंतर्गत 2022-23 में बजट में प्राविधानित 190 करोड़ रुपए की धनराशि के सापेक्ष 2,40,206 पात्र छात्र एवं छात्राओं को लाभान्वित किया गया है। वहीं 2023-24 में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया संचालित है। मदरसा शिक्षा के तहत इस शैक्षिक सत्र में राज्य अनुदानित 558 मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 8 तक के छात्रों को बेसिक शिक्षा विभाग के माध्यम से कुल 4,39,433 पाठ्य पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति शिक्षित किया जा रहा है।

अल्पसंख्यकों की हज यात्रा को भी योगी सरकार ने प्राथमिकता पर रखा है। इसके तहत 2023 में 21 मई 2023 से 19 जून 2023 के मध्य कुल 24,960 हज यात्रियों को हज पर भेजा गया। लखनऊ से कुल 13,096 तथा नई दिल्ली से कुल 11,864 हज यात्रियों को रवाना किया गया। यही नहीं, हज 2023 के लिए कुल 30 हज सेवकों को भी हज यात्रियों की मदद के लिए भेजा गया है। इसके अतिरिक्त दिसंबर 2023 तक प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत 304 परियोजनाओं को पूर्ण कराया गया तथा 280 करोड़ की नई वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गईं।

इंडो नेपाल बॉर्डर पहुंची कमिश्नर, विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश

लखनऊ (यूएनएस)। गुरुवार को आयुक्त डॉ रोशन जैकब एसडीएम कार्तिकेय सिंह, सीओ पहिया के साथ इंडो नेपाल बॉर्डर पहुंची, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), कस्टम एवं पुलिस कवच सेल के जिम्मेदार अफसरो के साथ स्थलीय भ्रमण किया और लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतते हुए निगरानी करने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने जांच एवं सुरक्षा एजेंसियों के साथ एक बैठक की। सीमा पर सुरक्षा को लेकर जांच करने पगडंडियों पर निगरानी सहित स्थानीय अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को शान्तिपूर्ण कराने के लिए लखनऊ मंडायुक्त सक्रिय हैं। जनपद भ्रमण कार्यक्रम के तहत मंडायुक्त लखनऊ डॉ रोशन जैकब तहसील पलिया के दूरस्थ मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय गौरीफंटा पहुंचा इसके साथ ही मंडायुक्त ग्राम सरियापारा, ग्राम सूडा के मतदेय स्थलों पर भी पहुंच कर केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने

मतदाताओं के बीच स्वयं मतदाता सूची में लिखे नामों को पढ़कर सुनाया तथा ग्रामवासियों से पढ़े गये नामों के बारे में जानकारी प्राप्त की। बूथ लेबिल अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम से बाहर रह रहे मतदाताओं के मोबाइल नम्बर पर एसएमएस भेजकर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया जाय। आयुक्त ने गौरीफंटा थाना क्षेत्र के ग्राम सरियापारा, ग्राम सूडा के मतदेय स्थलों के निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से संवाद कर मतदान दिवस (13 मई) को शत प्रतिशत मतदान का संकल्प दिलाया। इसके बाद उन्होंने चंदन चौकी बॉर्डर पर सब पुलिस राजस्व टीम के साथ फॉरेस्ट एरिया में पैदल मार्च किया। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्रों पर सामान्य सूचनाओं एवं टोल फ्री नम्बर 1950 का अंकन, विद्युत कनेक्शन, लाईट व पंखों की उपलब्धता, मतदेय स्थल पर शौचालय, जलापूर्ति की स्थिति, मतदेय स्थल पर शुद्ध पेयजल, स्थापित हैण्डपम्प की क्रियाशीलता, मतदेय स्थल विद्यालय की साफ-सफाई, रैम्प, मतदान केन्द्र पर नेटवर्क की उपलब्धता, कन्ट्रोल रूम का नम्बर, फोटोयुक्त मतदाता पहचान-पत्र वितरण, रूट चार्ट तथा कम्यूनिकेशन प्लान में दर्ज मोबाइल नम्बरों का सत्यापन भी किया। आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने एसडीएम कार्तिकेय सिंह को निर्देश दिया कि कम मतदान के कारकों का तत्काल समाधान कराते हुए मतदान केन्द्रों पर आयोग की मंशानुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं।

मलिहाबाद में नाबालिग को अगवा करने के बाद दुष्कर्म

दुस्साहस

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी की राजधानी लखनऊ के एक गांव से नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। यहां घर में सो रही नाबालिग को घर से अगवा करने के बाद युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने खून से लथपथ बेसुध अवस्था में मिली छात्रा को सीएचसी पहुंचाया। यहां से हालत गंभीर देख लखनऊ रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान की 11 वर्षीय पुत्री मंगलवार रात पिता के साथ अलग अलग चारपाई पर घर में सो रही थी। मां मायके गयी हुई थी। भाई होली मिलने गया हुआ था। पड़ोसी आरोपी धर्मेंद्र कुमार बीती देर रात घर में सो रही पांचवी की छात्रा को घर से करीब 200 मीटर दूरी पर पुलिया के पास खेतों में उठा ले गया। जहां उसके साथ घिनौना कृत्य किया। दरिंदे ने दुष्कर्म करने के बाद गले को नाखूनों से नोच डाला। दरिंदे ने छात्रा को बेसुध अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद अचानक पिता की जब आंख खुली तो देखा की बेटी चारपाई पर नहीं है।

इधर-उधर बेटी की तलाश करने लगा। शोर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और वह भी बेटी की तलाश करने लगे, तभी देखा कि कुछ दूरी पर खेत में बच्ची खून से लथपथ बेसुध अवस्था में पड़ी थी, जिसे देख सबके होश उड़ गए। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को इलाज के लिए मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने छात्रा को लोकबंधु अस्पताल लखनऊ रेफर कर दिया। इस सम्बन्ध में एसओ रहीमाबाद अनुभव सिंह ने बताया कि पड़िता के पिता की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर छात्रा का मेडिकल कराने के साथ उसका 164 का बयान कराया जा रहा है।

इतिहास में दर्ज नहीं होता, इतिहास रचता है मेरठः योगी

डॉक्टर, प्रोफेशनल, सीए, टीचर और उद्यमियों के बीच पहुंचे योगी

भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मुख्यमंत्री ने किया प्रचार

18 वीं लोकसभा में जनता के सामने असमंजस नहीं

लखनऊ/मेरठ (यूएनएस)। तीन दशक पहले जिस तरह अरुण गोविल ने रामायण में मजबूती के साथ श्रीराम के जीवन को जीवंत किया था, आज वो मेरठ की पहचान बनने जा रहे हैं। अरुण गोविल अब मेरठ में इतिहास रचेंगे, क्योंकि मेरठ इतिहास में दर्ज नहीं होता, बल्कि ये हमेशा इतिहास रचता है। ये बातें बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने शहर के डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, सीए, टीचर्स और उद्यमियों के बीच पहुंचकर बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के वर्तमान सांसद राजेन्द्र अग्रवाल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सहजता और ईमानदारी के साथ अपना उत्तराधिकारी अरुण गोविल को चुना है। अरुण गोविल जिन्होंने तीन दशक पहले कालजयी धारावाहिक रामायण में श्रीराम के जीवन का अभिनय करके लोकप्रियता हासिल की और कोरोना काल में भी यह सबसे ज्यादा देखा जाने वाला कार्यक्रम बना, इससे दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई। अब अरुण गोविल मेरठ की पहचान बनने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले हमारे पर्व और त्योहारों में ज्यादातर फूहड़ गीत बजाए जाते थे। मगर इस बार एक गीत जो हर जगह बजता दिखा कि 'जो राम को लाए हैं...।' सुनकर बहुत सुकून हुआ। यही बदलाव का सूचक है। उन्होंने कहा कि पहले होली पर 'होली खेले रघुवीरा अवध में...' गीत गाये जाते थे, मगर जब हम अयोध्या जाते थे तब वहां होली खेलते रघुवीर नहीं मिलते थे। इस बार अयोध्या में श्रीराम ने पूरी भव्यता के साथ होली खेली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरठ में हो रहे परिवर्तनों का साक्षी आज पूरा देश बन रहा है। यहां 32 हजार करोड़ रुपये से रैपिड रेल का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे बनने से मेरठ के लोग एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार इसीलिए जीत रहे हैं क्योंकि उन्होंने देश में विकास करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में आज सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद पर लगाम लगी है। पहले धारा 370 हटाने की किसी ने हिम्मत नहीं दिखाई लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी ने उसे भी हटाया कर दिखाया है। उन्होंने जनता से पूछा किया जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है क्या सपा, बसपा और कांग्रेस ऐसा कर पाती? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है लेकिन, विपक्ष ने हमेशा जातिवाद को प्राथमिकता दी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पूरब, पश्चिम, उत्तर या दक्षिण कहीं चले जाएं, 18वीं लोकसभा में जनता के सामने कभी भी असमंजस की स्थिति नहीं है। जनता के सामने हर तरफ विकास ही विकास है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेगा।

इसके साथ ही विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी और देश ग्लोबल लीडर बनकर उभरेगा। एक वो लोग हैं कर्फ्यू लगाते, दंगाइयों को गले लगाते थे और एक भाजपा सरकार है जो कांवड़ यात्रा कराती है और दंगाइयों को इलाज करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी, व्यापारी को सुरक्षा, युवाओं को आजीविका केवल भाजपा दे सकती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाओं की उपलब्धियों को भी गिनाया।

उन्होंने मेरठ में 26 अप्रैल को होने वाली वोटिंग के लिए अभी से तैयारी करने का आह्वान किया। कहा कि आप सब स्वयं अरुण गोविल बनकर घर-घर जाइए और जनता के बीच प्रधानमंत्री मोदी के विजन को रखिए। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश सरकार में मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, सोमेन्द्र तोमर, सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, सांसद प्रत्याशी अरुण गोविल सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोका-कोला एसएलएमजी ने कॉस्टिन मांड्रिया को सीईओ नियुक्त किया

लखनऊ (यूएनएस)। भारत और दक्षिण पश्चिम एशिया में कोका-कोला के सबसे बड़े स्वतंत्र बॉटलर एसएलएमजी ग्रुप ने आज कॉस्टिन मांड्रिया (ब्वेजपद डंदकतम) को कोका-कोला एसएलएमजी ऑपरेशंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। बेवरेज इंडस्ट्री में 25 वर्षों से अधिक के समृद्ध अनुभव के साथ, श्री मांड्रिया अपनी नई भूमिका में विशेषज्ञता और रणनीतिक दृष्टि का भरपूर भंडार लेकर आए हैं। कॉस्टिन मांड्रिया ने पश्चिमी और मध्य यूरोप, रूस और जापान में कोका-कोला बॉटलिंग सिस्टम में प्रमुख नेतृत्व पदों पर कार्य किया है, जहां उन्होंने कंपनी-व्यापी परिवर्तन, सेल्स फोर्स ऑपरेशंस, ग्राहक जुड़ाव और बाजारोन्मुख रणनीतियों के माध्यम से बिजनेस ग्रोथ को बढ़ाने में विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए, कोका-कोला एसएलएमजी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, एस एन लधानी ने कहा, श्बहुत खुशी के साथ, हम एसएलएमजी समूह के सीईओ के रूप में मांड्रिया का स्वागत करते हैं। नेतृत्व और रणनीतिक कौशल का उनका सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड उन्हें हमारी कंपनी को विस्तार और सफलता के अगले चरण में ले जाने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा शएसएलएमजी समूह में हमारे त्वरित विकास चरण के बीच, हमारा दृढ़ विश्वास है कि कॉस्टिन अभूतपूर्व सफलता की ओर ले जाने के लिए परफेक्ट लीडर हैं। श्री लधानी ने कहा कि मांड्रिया के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड और गतिशील दृष्टिकोण के साथ, हम उनके मार्गदर्शन में उल्लेखनीय माइल स्टोन हासिल करने के लिए तैयार हैं। अपनी नियुक्ति पर, श्री मांड्रिया ने टिप्पणी की, मैं कोका-कोला एसएलएमजी में इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। मैं प्रतिभाशाली टीम के साथ सहयोग करने और कंपनी के लिए इनोवेशन और ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए अपने अनुभव का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं। श्री मांड्रिया बुखारेस्ट विश्वविद्यालय से डिग्री होल्डर हैं और उन्होंने अपने पूरे करियर में कई नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में भाग लिया है। कोका-कोला में उनका कार्यकाल सफल परिवर्तन पहल और रणनीतिक नेतृत्व भूमिकाओं द्वारा पहचाना गया है, जिसने कंपनी की प्रॉफिटेबिलिटी और बाजार में उपस्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लेकर योगी ने किया चुनाव प्रचार का आगाज

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। यहां उन्होंने दर्शन करके पूजा-अर्चना की। श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लेने के बाद वह प्रबुद्धजन सम्मेलन में पहुंचे। सम्मेलन को संबोधित कर योगी ने चुनावी आगाज किया। योगी ने सपा का नाम लिए बिना पार्टी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि इस चुनावी समर में दो खेमे साफ नजर आ रहे हैं। एक पार्टी के लिए फैमिली फर्स्ट है, तो मोदी के लिए नेशन फर्स्ट है। उन्होंने ब्रजवासियों को सरकार की उपलब्धियां गिनाई। बताते चलें कि भाजपा ने यहां से वर्तमान सांसद हेमा मालिनी को ही अपना प्रत्याशी घोषित किया है। प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए, सीएम ने कहा कि कहा कि आज से पांच हजार वर्ष पहले इसी ब्रज में श्रीकृष्ण ने अपनी लीला रचाई। उस लीला की साक्षी बनीं थीं यमुना मैया।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी

कार्यकारी सम्पादक

डॉ. एस.के.गोपाल

प्रबंध सम्पादक

होमेन्द्र कुमार मिश्र

क्रिएटिव एडिटर

नैमिष सोनी

विशेष संवाददाता

सौरभ कुमार पाण्डेय

संवाददाता

जादूगर सुरेश कुमार

सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल : janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।